मदरसह दस्तूर तालीम मेरठ

जगद्भूगोल

॥ पहिला भाग ॥

श्रीमन्महाराजाधिराज पश्चिमदेशाधिकारी श्रीयुत नव्वाब लेफ्टिनेंट गवर्नर बहादुर की आज्ञानुसार

मुनशी ईश्वरीप्रसाद सर्वेंग मास्टर मदरसह दस्तूर तालीम मेरठ ने अपने बनाये हुए जग़राफ़ियह आलम का नागरी में उल्था किया

इलाहाबाद

गवर्नमेंट के छापेख़ाने में छापा गया

सन् १८७१ ई०

[..]th edition, 10,000 copies, [Pr]ice, per copy, $2\frac{1}{2}$ annas.

चौदहवीं बार १०,००० पुस्तकें मोल फ़ी पुस्तक ≈)॥ आने

Jagat Bhugool
by
Badri Prasad

जगद्भूगोल

॥ पहिला भाग ॥

पश्चिमोत्तर सूबे का बयान

पश्चिमोत्तर सूबे के पूर्व में बिहार, पालामऊ और पश्चिम में यमुना नदी जिसके पार पंजाब का इलाक़ा है और भरतपुर और उत्तर में नैपाल, अवध, कमायूं का पहाड़ और दक्षिण में रीवां का इलाक़ा बुन्देलखण्ड, ग्वालियर, धौलपुर । लंबाई पूर्व पश्चिम ६०० मील और चौड़ाई उत्तर दक्षिण २०० मील ॥

इसका पश्चिमोत्तर सूबे नाम पड़ने का सबब यह है कि पहिले ही पहिल अंगरेज़ों ने बंगाले को जीता था और ये कई ज़िले बंगाले से पश्चिमोत्तर में थे इसलिये बंगाले की निस्वत इनको पश्चिमोत्तर सूबा कहने लगे ॥

A

पश्चिमोत्तर सूबे में गंगा, यमुना, रामगंगा, घाघरा, गोमती, देवहा, कोसी, शोण, बेतवा, कीन ये

नदियां १० नदियां मशहूर हैं जिन में से (कीन) बुन्देलखण्ड के पहाड़ों से निकल कर बांदे के नज़दीक और (बेतवा) गोंड़वाने से निकल कर हमीरपुर के नज़दीक यमुना में मिल गई हैं और (शोण) बिंध्याचल से निकल कर छपरे के साम्हने गंगा में जा मिली है और बाक़ी सब नदियां हिमालय पर्वत से निकल कर गंगा से मिलती हुईं समुद्र में जा मिली हैं ॥

नहर पश्चिमोत्तर सूबे में २ नहरें हैं १ (गंगा की नहर) जिसको सहारनपुर के ज़िले हरिद्वार से निकाल कर कान्हपुर में फिर गंगा से मिला दिया है इसी नहर में से एक शाखा अलीगढ़ के ज़िले के नानऊ गांव के पास से निकाल कर कालपी के नज़दीक यमुना में मिला दी है और दूसरी शाखा मुज़फ़्फ़र नगर के ज़िले के जौली गांव से निकाल कर फ़र्रुख़ाबाद में गंगा से मिला दी है और यह फ़तहगढ़ की नहर के नाम से मशहूर है पर यह शाखा अभी अनूपशहर तक बनी है ॥

२ (यमुना की नहर) जिसको सहारनपुर के ज़िले की उत्तर तरफ़ से निकाल कर सहारनपुर मुज़फ़्फ़रनगर मेरठ के ज़िले में लेजाकर देहली के नज़दीक फिर यमुना में मिला दिया है ॥

पश्चिमोत्तर सूबे में ५ आईनी और २ ग़ैर आईनी

क़िस्मत क़िस्मतें हैं ॥

	क़िस्मतों के नाम	ज़िलों के नाम जो क़िस्मतों में हैं	
आईनी क़िस्मतें	बनारस	आज़मगढ़, ग़ाज़ीपुर, बनारस, मिर्ज़ापुर, गोरखपुर और बस्ती	
	इलाहाबाद	इलाहाबाद, फ़तहपुर, बांदा, हमीरपुर, कान्हपुर और जौनपुर	
	आगरा	इटावा, फ़र्रुख़ाबाद, एटा, मैनपुरी, आगरा, मथुरा	देहरादून ग़ैर आईनी ज़िला है
	मेरठ	अलीगढ़, बुलंदशहर, मेरठ, मुज़फ़्फ़रनगर, सहारनपुर, देहरादून	
	रुहेलखण्ड	शाहजहांपुर, बरेली, बदायूं, मुरादाबाद, बिजनौर	
ग़ैर आईनी क़िस्मतें	झांसी	झांसी, जालौन, ललितपुर	
	कमायूं	कमायूं गढ़वाल, और तराई	

पश्चिमोत्तर सूबे का ख़ास शहर इलाहाबाद है जिसको प्रयाग भी कहते हैं और कमायूं की क़िस्मत का ख़ास शहर अलमोड़ा और गढ़वाल के ज़िले का पावड़ी है रुहेलखण्ड का ख़ास शहर बरेली है और बाक़ी क़िस्मतों और ज़िलों के ख़ास शहर इन्हीं क़िस्मतों और ज़िलों के नाम से हैं ॥

पश्चिमोत्तर सूबे के ज़िलों में प्रसिद्ध क़सबे इस तरह हैं कि (गोरखपुर) के ज़िले में मियांगंज, मग़फ़ूरगंज (आज़मगढ़) में अज़ीमाबाद, सिकन्दरपुर (ग़ाज़ीपुर) में बल्लिया, मुहम्मदाबद (बनारस) में चंदौली, (मिरज़ापुर) में चिनार, शाहगंज (इलाहाबाद) में सिकन्दरा, खैरागढ़ (फ़तहपुर) में ग़ाज़ीपुर (बांदे) में स्यौहट (कान्हपुर) में बिठूर, देरह, मंगलपुर (इटावे) में खलना, फफूंडा (फ़र्रुख़ाबाद) में शम्साबाद, छपरामऊ, क़नौज (एटे) में कासगंज, अलीगंज सोरों (मैनपुरी) में भोगांव, शिकोहाबाद, मुस्तफ़ाबाद (आगरे) में फ़तहपुर सीकरी, फ़िरोज़ाबाद (मथुरा) में माठ महाबन, वृन्दाबन, जलेसर, नन्दगांव, बरसाना, गोवरधन (अलीगढ़) में हाथरस, सिकन्दरहराऊ, टप्पल, अतरौली (बुलन्दशहर) में अनूपशहर, सिकन्दराबाद, खुर्जा, शिकारपुर (मेरठ) में हापुर, गढ़मुक्तेश्वर, सर्धना, बड़ौत (मुज़फ़्फ़रनगर) में शामली, खतौली, थानेभवन (सहारनपुर) में देवबंद, रुड़की, कन्खल, हरिद्वार (शाहजहांपुर) में तिलहर पुवायां (बरेली) में बीसलपुर, पीलीभीत, आंवला, (बदायूं) में सहसबान (मुरादाबाद) में संभल, अमरोहा, ठाकुरद्वारा, काशीपुर, चंदौसी (बिजनौर) में नगीनह, नजीबाबाद, शेरकोट (झांसी) में काल्पी (ललितपुर) में चंदेरी (अलमोड़े) में नैनीताल ॥

मशहूर चीज़ें और जगह — पश्चिमोत्तर सूबे के शहरों और क़सबों में मशहूर चीज़ें और जगह हैं (मिरज़ापुर) के पीतल के बरतन

मशहूर हैं और मिरज़ापुर से बारह कोस पूर्व को गंगा के किनारे चिनारगढ़ का क़िलअ़ है और चिनारगढ़ से ३ मील पर शेख़ क़ासम सुलेमानी का रौज़ा बहुत अच्छा है (बनारस) में बुढ़वा मंगल का मेला बहुत अच्छा होता है और सरकारी कालेज अच्छा बना है (जौनपुर) में गोमती नदी का पुल देखने लायक़ है और तेल इतर यहां का मशहूर है (ग़ाज़ीपुर) में गुलाब और गुलाब का इतर निहायत ख़ुशबूदार होता है (गोरखपुर) में गुरू गोरखनाथ का मंदिर है (इलाहाबाद) में पत्थर का क़िलअ़ गंगा, यमुना के संगम पर बहुत अच्छा बना है जिस में मकर की संक्रांति को बड़ा भारी मेला होता है (आगरे) में शाहजहां बादशाह की मुम्ताज़ महल बेगम का रौज़ा जिसको लोग ताजबीबी का रौज़ा कहते हैं अति शोभायमान है और शहर से ३ कोस पर सिकन्दरे का रौज़ा जिस में अकबरशाह की क़ब्र है और यमुना पार एतमादुद्दौलह का रौज़ा और रामबाग़ दर्शनीय हैं और आगरे में पच्चीकारी का काम और नैचे भी अच्छे बनते हैं (फ़तहपुरसीकरी) में सलेम चिश्ती का रौज़ा और अकबरशाह का महल और उसके वज़ीर फ़ैज़ी और बीरबल वग़ैरः के महल बहुत ऊंचे और ख़ूबसूरत बने हैं (वृन्दाबन) में लाला बाबू का मन्दिर दूसरा रंगजी का जिसको लक्ष्मीचंद सेठ ने बनाया है देखने के लायक़ है और कुंजें भी यहां की रमणीय हैं (मथुरा) में नबीजी की मसजिद

कंसटीला बिश्राम घाट मशहूर हैं और पेड़े भी यहां के सुस्वादु होते हैं (फ़र्रुख़ाबाद) में सौदागरी की चीज़ें कपड़ा वग़ैरः बहुत आते हैं और पीतल के बरतन भी अच्छे होते हैं (क़नौज) में काग़ज़ अच्छा बनता है (सहारनपुर) का कम्पनी बाग़ और (रुड़की) में धूएं की कल का कारख़ाना और सरकारी कालेज देखने के लायक़ है। रुड़की में सुलानी नदी का पुल बांध कर नहर ऊपर से निकाली है और ज्वालापुर के समीप नहर का पुल बांध कर नदी ऊपर से निकाली है और रुड़की से थोड़ी दूर पर पीरान कलियर में किसी पीर की क़ब्र है जहां बरस भर में एक मेला बहुत अच्छा होता है और तीन दिन तक रहता है (हरिद्वार) में चैत में एक मेला गंगास्नान का बड़ा भारी होता है (मेरठ) में नौचन्दी का मेला चैत के महीने में बहुत अच्छा होता है और तीन दिन तक रहता है (बड़ौत) में लोहे के बर्तन अच्छे बनते हैं (सरधने) में शिमरू की बेगम का गिरजा देखने के लायक़ है (गढ़मुक्तेश्वर) में कार्त्तिक का मेला बड़ा भारी होता है और आठ नौ दिन तक रहता है (बदायूं) में एक मस्जिद पुराने वक़्त की अभी तक है (सहसवान) में केवड़ा बहुतायत से पैदा होता है (मुरादाबाद) में पारे की क़लई का काम बहुत अच्छा होता है (अमरोहे) में मिट्टी के बर्तन बहुत हलके और सुन्दर बनते हैं और यहां मीरा का समाधिस्थान बहुत मशहूर है (काशीपुर)

की छीटें (शाहजहांपुर) के चाक़ू सरौते (तिलहर) के तीर कमान संदूक़चे पलंग के पाये (बरेली) की कुर्सियां (पीलीभीत) के चांवल (नगीने) के आवनूस के कंघे और क़लमदान (नजीबाबाद) के फूल के बर्तन (काल्पी) की मिसरी और काग़ज़ मशहूर हैं (कमायूं) की क़िस्मत में बद्रीनाथ और केदारनाथ का मंदिर है ॥

पश्चिमोत्तर सूबे में सरिश्ते तालीम की ४ क़िस्मतें इन्स्पेकृरी हैं १ (मेरठ) जिस में मेरठ और रुहेलखंड कमिश्नरी मिली हुई है २ (आगरा) जिस में आगरा और झांसी की कमिश्नरी और कोई २ ज़िलअ इलाहाबाद की कमिश्नरी का मिला है ३ (बनारस) जिस में बनारस की कमिश्नरी और कोई २ ज़िलअ इलाहाबाद की कमिश्नरी का मिला हुआ है ४ (कमायूं) । सरिश्ते तालीम की हर एक क़िस्मत के हाकिम को इन्स्पेकृर कहते हैं और सब क़िस्मतों के बड़े हाकिम को डाइरेकृर आफ़ पबलिक इन्स्ट्रक्शन और आज कल इस उहदे पर श्रीयुत केम्पसन् साहिब बहादुर हैं ॥

पश्चिमोत्तर देश में ४ कालेज हैं १ आगरा कालेज कालेज २ म्यूर कालेज (इलाहाबाद) ३ बनारस कालेज ४ रुड़की कालेज और अकसर ज़िलों के ख़ास जगहों में एक एक अंगरेज़ी स्कूल है इनके सिवाय ख़ास जगह आगरा और बनारस में एक २ मदरसह दस्तूर तालीम है कि वहां पर उसी इन्स्पेकृरी के हलक़हबन्दी और

तहसीली पाठशाला के पढ़नेवाले बारी बारी से पढ़ने को आते और साल भर पढ़ते हैं ॥

हिंदुस्तान का बयान

हिन्दुस्तान के उत्तर में हिमालय पहाड़ और दक्षिण में हिन्द का समुद्र और पूर्व में ब्रह्मा का देश और पश्चिम में अरब का समुद्र और अफ़ग़ानिस्तान है। हिन्दुस्तान का आकार त्रिभुज का सा है। लम्बाई उसकी ज्यादह से ज्यादह कश्मीर से कन्या-कुमारी तक १८०० मील और चौड़ाई किरांची बंदर से ब्रह्मा के देश तक १६०० मील। मनुष्य संख्या २४ किरोड़ के अनुमान और क्षेत्रफल लग भग १५ लाख वर्गात्मक मील के है ॥

पर्वत   हिन्दुस्तान के मशहूर पहाड़ों में से १ (हिमालय) जो हिन्दुस्तान के उत्तर में पूर्व पश्चिम अनुमान २ हज़ार मील के चला गया है और कोई २ चोटी उसकी जैसे एवरेस्ट धवल गिर, किनचिनचिंगा वग़ैर: २८ हज़ार से ३० हज़ार फ़ुट तक ऊंची है और उसी की एक शाखा को जो सहारनपूर और देहरादून के बीच में है शवालक कहते हैं २ (विंध्याचल) जो हिन्दुस्तान के बीच में गुजरात से राजमहल तक चला गया है ३ (सह्याद्री) जिसके एक हिस्से को (पश्चिमीघाट) कहते हैं जो कन्याकुमारी से पश्चिमी किनारे २ विंध्याचल तक चला गया है और दूसरा हिस्सा जो

पूर्बी ओर कन्याकुमारी से कर्णाटक देश में चला गया है उसको (पूर्बीघाट) कहते हैं ॥

इनके सिवाय और छोटी २ पहाड़ियां जैसे सत-पुड़ी, अर्बली, मलयागिरि, राजमहल वग़ैरः हैं ॥

हिन्दुस्तान की मशहूर नदियों में सब से बड़ा नदियां और मशहूर नदी गंगा है जो सहारनपुर के उत्तर हिमालय पहाड़ से निकल कर दक्षिण और पूर्व को लगभग १५ सौ मील बह कर बहुत सी धारों से बंगाले की खाड़ी में गिरती है और जो धार कल-कत्ते के नीचे बही है उसका नाम भागीरथी और हुगली है और इसके निकलने की जगह को गंगोत्री कहते हैं और इस में कई नदियां जैसे यमुना, शरजू, शोण, गंडकी, ब्रह्मपुत्र वग़ैरः आ मिली हैं और शोण के सेवाय और सब नदियां हिमालय पहाड़ से निकली हैं और (शोण) विंध्याचल से निकल कर छपरे के साम्हने गंगा में जामिली है और (यमुना) प्रयाग में (शरजू) दानापुर के समीप और (गंडकी) बिहार में गंगा से मिली है और (ब्रह्मपुत्र) मानसरोवर के पास हिमालय की उत्तर ओर से निकल कर और तिब्बत के देश भर में बह कर हिन्दुस्तान में आकर उसको दो धारें हो गई हैं जिन में से एक धार पूर्व की ओर मेघना के नाम से बहती है और दूसरी धार पश्चिम को बहकर जिनाई के नाम से जाफ़रगंज के नज़दीक गंगा से मिली है ॥

मील और चौड़ाई ८ मील और इतनी गहरी है कि आज तक किसी ने थाह नहीं पाई ॥

खाड़ी हिन्दुस्तान में ४ खाड़ी हैं १ (बंगाले की खाड़ी) पूर्व में २ (मनार की खाड़ी) दक्षिण में ३ (खंभात की खाड़ी ४ कच्छ की खाड़ी) ये दोनों पश्चिम में हैं ॥

बिभाग भूगोलज्ञों ने भरतखण्ड के ४ खण्ड किये हैं १ (खण्ड) हिमालय पर्वत से शवालक पर्वत तक जिसको औत्तरीय भरतखण्ड कहते हैं। इस खण्ड की पृथ्वी दक्षिण और पूर्व को ढुलवां है २ (खण्ड) शवालक और विंध्याचल के बीच में जिसको मुख्य हिन्दुस्तान वा मध्य हिन्दुस्तान कहते हैं इस हिस्से की ज़मीन १५ सौ फुट से २५ सौ फुट तक समुद्र के तल से ऊंचा है ३ (खण्ड) विंध्याचल से कृष्णा नदी तक जिसको ठेठ दक्षिण कहते हैं इस हिस्से की ज़मीन दक्षिण की ओर को ढुलवां और मध्य हिन्द की तरह समुद्र के तल से ऊंची है ४ (खण्ड) कृष्णा नदी से मनार की खाड़ी तक है इस खण्ड को दाक्षिणीय हिन्दुस्तान वा प्रायद्वीप कहते हैं यहां की ज़मीन भी मध्य हिन्द के तरह समुद्र की तल से ऊंची है परंतु घाट और समुद्र के बीच की ज़मीन निचाई में है ॥

हिन्दुस्तान बादशाही वक़्त में १९ सूबों पर विभाग किया गया था जिन में से बंगाला, बिहार, इलाहाबाद, अवध, आगरा, देहली, मालवा, गुजरात,

अजमेर, सिंधु, लाहौर, मुलतान ये १२ सूबे मध्य हिन्द में गिने जाते थे और उड़ीसह, सरकार, बरार, खान्देश, बीजापुर, औरंगाबाद हैदराबाद ये ७ सूबे दक्षिण में और सिवाय इनके कश्मीर, क़ंधार, काबुल भी हिन्दुस्तान में गिने जाते थे ॥

जितना देश महारानी विक्टोरिया के अधिकार में है उसके ३ अहाते वा ३ प्रेज़ीडिन्सी इस तरह पर नियत हैं १ (बंगाल अहाता) चटगांव से पेशावर तक २ (मंदराज अहाता) गंजाम से हुनावर तक ३ (बम्बई अहाता) धारवाड़ से शिकारपुर तक परंतु इन में से बंगाल अहाता ४ लोकल गवर्नमेंट में इस क्रम से बटा है १ गवर्नमेंट ठेठ बंगालह चटगांव से शाहाबाद तक २ पश्चिमोत्तर देश और अवध ग़ाज़ीपुर से मेरठ तक जिसका वर्णन पहले हो चुका है ३ पंजाब देहली से पेशावर तक और अवध की चीफ़ कमिश्नरी इलाहाबाद की क़िस्मत के उत्तर में ४ मध्य हिन्द की चीफ़ कमिश्नरी सागर से बस्तर तक। इन चारों में से मध्य हिन्द के बड़े हाकिम चीफ़ कमिश्नर कहलाते हैं और बाक़ी के लेफ़्टिनेंट गवर्नर और सब अहातों के बड़े हाकिम को गवर्नर जनरल कहते हैं जिनका राजस्थान कलकत्ता है। हर एक अहाते में एक २ कौंसिल याने व्यवस्थापकों की सभा और एक २ हैकोर्ट याने सब से बड़ी सभा अपील सुन्ने के लिये अलग २ मुक़र्रर है ॥

अहाते

बंगाले की गवर्नमेंटी का बयान

बंगाले की गवर्नमेंटी के उत्तर में भुटाट, शिकम, नैपाल का राज्य और दक्षिण में बंगाले की खाड़ी और मंदरास अहाता और पूर्व में ब्रह्मा का देश और पश्चिम में पश्चिमोत्तर देश और मध्य हिन्द। बंगाले की गवर्नमेंटो में ३८ ज़िले आईनी और १० ग़ैर आईनी हैं॥

आईनी ज़िलों का वर्णन

ज़िले का नाम	ज़िले का पता	मुख्य स्थान	नदी जिसके किनारे मुख्य स्थान है
२४ पर्गनह	सुंदर बन के उत्तर में ..	कलकत्ता ..	हुगली
हौरा ..	२४ पर्गने के पश्चिम में	हौरा ..	0
वारासत ..	२४ पर्गने के उत्तर में ..	वारासत ..	0
नदिया ..	वारासत के उत्तर में ..	किशन नगर	0
जसर ..	नदिया के पूर्व में ..	मुर्ली ..	0
बाक़रगंज ..	जसर के पूर्व में ..	बेरीसाल ..	0
नाऊकोली ..	बाक़रगंज के पूर्व में ..	वल्वा ..	मेघना
ढाका जलालपुर ..	बाक़रगंज के उत्तर में ..	फ़रीदपुर ..	0
ढाका ..	बाक़रगंज के ईशान में	ढाका ..	बूढ़ीगंगा
तरपड़ा ..	ढाके के पूर्व में ..	कोमेला ..	गोमती
चटगांव ..	तरपड़ा के आग्नेय में ..	इस्लामाबाद	करनफूला
सिलहट ..	तरपड़ा के उत्तर में ..	सिलहट ..	0
कचार ..	सिलहट के पूर्व में ..	सिलचार ..	बारक

ज़िले का नाम	ज़िले का पता	मुख्य स्थान	नदी जिसके किनारे मुख्य स्थान है
मैमनसिंह ..	सिलहट के पश्चिम में	सूदार ..	ब्रह्मपुत्र
पबना ..	जसर के उत्तर में ..	पबना ..	0
राजशाही ..	पबना के वायव्य में ..	बोलिया ..	गंगा
बगड़ा .	राजशाही के ईशान में	बगड़ा ..	0
रंगपुर ..	बगड़ा के उत्तर में ..	रंगपुर ..	0
दीनाजपुर ..	रंगपुर के पश्चिम में ..	दीनाजपुर ..	पूर्णबाबा
पुरनियां ..	दीनाजपुर के पश्चिम में	पुरनिया ..	0
माल्दा ..	पुरनिया के दक्षिण में ..	माल्दा ..	महानदी
मुर्शदाबाद ..	माल्दा के दक्षिण में ..	मुर्शदाबाद	भागीरथी
बीरभूम ..	मुर्शदाबाद के पश्चिम में	सेवड़ी .	0
बर्दवान ..	बीरभूम के दक्षिण में	बर्दवान ..	0
हुगली ..	बर्दवान के आग्नेय में	हुगली ..	भागीरथी
मेदनीपुर ..	हुगली के नैऋत में ..	मेदनीपुर ..	0
बालेश्वर ..	मेदनीपुर के दक्षिण में ..	बालेश्वर ..	बूढ़ीबलंग
कटक ..	बालेश्वर के दक्षिण में ..	कटक ..	महानदी
बरदा ..	कटक के दक्षिण में ..	जगन्नाथ	समुद्र के किनारे
बगड़ा ..	बर्दवान के पश्चिम में ..	बगड़ा ..	0
भागलपुर ..	मुर्शदाबाद के वायव्य में	भागलपुर ..	गंगा
मुंगेर ..	भागलपुर के पश्चिम में	मुंगेर ..	गंगा
बिहार ..	मुंगेर के पश्चिम में ..	गया ..	फल्गू
पटना ..	बिहार के वायव्य में ..	पटना ..	गंगा

ज़िलेकानाम	ज़िले का पता	मुख्य स्थान	नदी जिसके किनारेमुख्य स्थान
तिरहुत ..	मुंगेर के वायव्य में ..	मुज़फ़्फ़रपुर ..	0
शाहाबाद..	पटने के पश्चिम में ..	आरा ..	0
सारन ..	शाहाबाद के उत्तर में..	छपरा ..	0
चम्पारन ..	सारन के उत्तर में ..	मोतीहारी ..	0

गै़र आईनी ज़िलों का बर्णन

क़िस्मत का नाम	ज़िले का नाम	ज़िले का पता	मुख्य स्थान
आसाम की क़िस्मत	गोहाट ..	सिलहट के उत्तर में ..	गोहाट ..
	नौगांव ..	गोहाट के पूर्व में ..	नौगांव ..
	तेजपुर ..	नौगांव के उत्तर में ..	तेजपूर ..
	ग्वालपाड़ा..	गोहाट के पश्चिम में..	ग्वालपाड़ा..
	शिवपुर ..	नौगांव के उत्तर में ..	शिवपुर ..
	लखमपुर ..	शिवपुर के उत्तर में ..	लखमपुर ..
छोटे नागपुर की क़िस्मत	छोटा नागपुर	बीरभूम और बिहार के दक्षिण में	लौहाडू का
	मानभूम ..	छोटेनागपुर के पूर्व में ..	बुरलिया
	हज़ारीबाग़	छोटे नागपुर के उत्तर में	हज़ारीबाग़
	बाजगुज़ार मुहाल	कटक और बालेश्वर के पश्चिम में	बाजगुज़ार मुहाल

(प्रगट) हो कि कलकत्ता बंगाले की गवर्नमेंट का ख़ास शहर और कुल हिन्दुस्तान की राजधानी है। नदियों के ज़िलों

में प्लासी गांव है जहां लार्ड क्लाऊ साहिब ने सन् १७५७ ई० में शराजुद्दौलह बंगाले के नव्वाब को परास्त किया था। जसर के ज़िले में सुन्दर बन है। सेवड़ी से ६० मील वायव्य में झाड़खंड के बीच देवगढ़ में बैजनाथ महादेव का मशहूर मंदिर है। पुरी जगन्नाथ हिन्दुओं का मशहूर तीर्थस्थान है इस में श्रीजगन्नाथ जी का मंदिर २२५ गज़ लम्बा और इतना ही चौड़ा हिन्दुओं का पूज्यस्थान है। भागलपुर से ६० मील पर राजमहल है। गया हिन्दुओं का तीर्थस्थान है। बिहार के दक्षिणी हिस्से को संस्कृत में मगध देश और उत्तर के हिस्से को मिथिला देश लिखा है। बिहार से १६ मील दक्षिण को राजगढ़ जरासिंघु का पुराना राज्यस्थान था। हिन्दुओं के वक़ में पटना मगध देश और हिन्दुस्तान भर की राजधानी था। पटने के नज़दीक दानापुर की छावनी है। आरे से २५ कोस पश्चिम को बक्सर का क़िला है और शोण नदी के किनारे रुहितास का क़िला ऊजड़ पड़ा है॥

पंजाब की गवर्नमेंटी का बयान

पंजाब की गवर्नमेंटी के उत्तर और पूर्व में कश्मीर का राज्य और आग्नेय में पश्चिमोत्तर सूबा और ठेठ दक्षिण में राजपूताना दाऊदपुत्रा, सिंधु की क़िस्मत और पश्चिम में अफ़ग़ानिस्तान, सीस्तान। ठेठ पंजाब वह है जो सतलज और सिंधुनदी और हिमालय पर्वत के बीच है। यहां सिक्ख लोग बस्ते हैं और ये लोग बाल नहीं मुंडवाते और गुरू नानक के मत पर चलते हैं। पहिले पंजाब सिक्खों के अधिकार में था और अब अंगरेज़ों के अधिकार में है। पंजाब में अन्न बहुतायत से पैदा होता है और ईख और मेवा भी होते हैं

पंजाब की गवर्नमेंटी में १० क़िस्मतें, ३२ ज़िले इस क्रम से हैं

क़िस्मत के नाम	ज़िलों के नाम जो क़िस्मत में हैं
देहली ..	देहली, करनाल, गुरगांवा
हिसार ..	हिसार, सिरसा, रुहतक
अम्बाला ..	अम्बाला, थानेसर, लुधियाना, शिमला
अमृतसर ..	अमृतसर, गुरदासपुर, स्यालकोट
जालंधर ..	जालंधर, हुशियारपुर, कांगड़ा
लाहौर ..	लाहौर, गुजरानवाला, फ़ीरोज़पुर
झेलम ..	झेलम, शाहपुर, गुजरात, रावलपिण्डी
मुल्तान ..	मुल्तान, पाकपट्टन, झंग, मुज़फ़्फ़रगढ़
देरहजात ..	देरह, इस्माईलख़ां, देरह, ग़ाज़ीख़ां, बन्नू
पेशावर ..	पेशावर, कोहाट, हज़ारह

पाकपट्टन के ज़िलेका ख़ास शहर फ़तहपुर गोगीरा है और बाक़ी जिलों और किस्मतों की ख़ास जगह उसी ज़िले वा क़िस्मत के नाम से मशहूर है। पंजाब के नगरों में से देहली पुराना शहर यमुना के दाहिने किनारे है यह शहर हिन्दुओं और मुसलमानों के वक़्त में अकसर हिन्दुस्तान का राज्यस्थान रहा और यह शहर निहायत ख़ूबसूरत है और यहां की जुमा मसजिद और लाल क़िला और क़ुतुब साहिब का रोज़ा देखने के लायक़ हैं। गुरगांवा एक छोटासा क़सबा है यहां पर चैत्र के महीने में देवी की पूजा के लिये दूर दूर के लोग आते हैं गुरगांवे के ज़िले में रेवाड़ा बड़ा क़सबा है। हिसार को हरयाना और थानेसर को कुरुक्षेत्र कहते हैं

शिमले से २७ मील पर सपाटू गोरों की छावनी का स्थान है। अमृतसर बड़ा भारी शहर है यहां का गुरुद्वारा देखने के लायक़ है। स्यालकोट की छावनी मशहूर है। कांगड़े को नगरकोट भी कहते हैं यह शहर छोटे से पर्वत पर बसा है महामाया का यहां मन्दिर है यहां से २५ मील व्यास के पार ज्वालामुखी पहाड़ है। लाहौर पंजाब की गवर्नमेंटी का ख़ास शहर रावी के बाएं किनारे पर बड़ा भारी शहर है। और यहां का क़िला और वज़ीरख़ां की मस्जिद और सुनहरी मस्जिद बहुत मशहूर और देखने के लायक़ हैं। लाहौर के नज़दीक शाहदारे में जहांगीर का रौज़ा है। गुजरानवाला ज़िले में वज़ीराबाद चिनाब के बाएं किनारे पर बड़ा शहर है। झेलम के ज़िले में रुहतास का पुराना क़िला और पिंडदादनख़ां बड़ा क़सबा है इस क़सबे के नज़दीक लाहौरी निमक की खानि है। रावलपिंडी के ज़िले में सिन्धनदी के किनारे पर अटक का मशहूर क़िला है और क़िले के नज़दीक अटक शहर बसा है। देरा इस्माईलख़ां के ज़िले में लाहौरी निमक का पहाड़ है। हिन्दुस्तान की पश्चिमी सीमा पर पेशावर शहर है यहां की छावनी बहुत बड़ी है और पेशावर से १५ मील पर ख़ैबर की घाटी है। कोहाट के ज़िले में एक तरह का पत्थर होता है जिसको पानी में उबाल कर मोमियाई बनाते हैं॥

अवध का बयान

अवध के उत्तर में नैपाल का राज्य और दक्षिण में गंगा नदी, पूर्व में गोरखपुर का ज़िला और पश्चिम में रुहेलखंड की क़िस्मत। इस की ज़मीन बहुत उपजाऊ है पहिले यह देश अवध के बादशाह के अधिकार में रहा अब अंगरेज़ों के अधि-

कार में है यहां ईख और चांवल अच्छे और बहुतायत से होते हैं ॥

अवध में ४ क़िस्मतें और १२ ज़िले इस क्रम से हैं ॥

क़िस्मत का नाम	ज़िलों के नाम जो क़िस्मत में हैं		
लखनऊ ..	लखनऊ,	उनाउ,	बारहबंकी
फ़ैज़ाबाद ..	फ़ैज़ाबाद,	बहराइच,	गोंड़ा
बैसवाड़ा ..	रायबरेली,	सुलतापुर,	प्रतापगढ़
सीतापुर ..	सीतापुर,	खैरी,	हरदुई

बैसवाड़े की क़िस्मत की ख़ास जगह रायबरेली और ख़ैराबाद की क़िस्मत का सीतापुर है बाक़ी क़िस्मतों और ज़िलों की ख़ास जगह क़िस्मतों और ज़िलों के नाम से मशहूर हैं ॥

लखनऊ अवध की ख़ास जगह गोमती नदी के दाहने किनारे पर है यह शहर बहुत बड़ा और रमणीक है इस शहर में शीशमहल हुसैनाबाग़ मार्टीन साहिब की कोठी आसफ़ुद्दौलह का इमामबाड़ा देखने लायक़ हैं और लखनऊ की क़िस्मत में नव्वाबगंज बड़ा क़सबा है और फ़ैज़ाबाद शहर के नज़दीक पुराना शहर अयोध्या है जिस में बंदर बहुत हैं ॥

इन शहरों के सिवाय जिनके नाम से ज़िले मशहूर हैं अवध में मुहम्मदी, मुल्लापुर, सिलोन ख़ास शहर हैं ॥

मध्यहिन्द की चीफ़ कमिश्नरी का बयान

मध्यहिन्द के उत्तर में बुंदेलखण्ड और दक्षिण में हैदराबाद का राज्य और पूर्व में बंगाले की लेफ़्टिनेंटी और पश्चिम में भूपाल का राज्य और बरार है ॥

मध्य हिन्द में ४ क़िस्मतें और १७ ज़िले इस क्रम से हैं

क़िस्मत का नाम	ज़िलों के नाम जो क़िस्मत में हैं
सागर ..	सागर, दमोह, हुशंगाबाद, बेतौल
जब्बलपुर ..	जब्बलपुर, मंडला, सिउनी
नागपुर ..	नागपुर, भंडारा, चांदा, बरदा।
रायपुर अर्थात् छत्तीसगढ़	रायपुर, सम्भलपुर, बिलासपुर, अय्यर, गोदावरी

मध्यहिन्द की चीफ़ कमिश्नरी की ख़ास जगह नागपुर है और बाक़ी क़िस्मतों और ज़िलों की ख़ास जगह उन्हीं क़िस्मतों और ज़िलों के नाम से मशहूर हैं। नागपुर की क़िस्मत में हींगन घाट और रायपुर की क़िस्मत में बस्तर बड़ा क़सबा है ॥

मंदराज अहाते का बयान

मंदराज के उत्तर में बंगाले की लेफ़्टिनेंटी मध्यहिन्द हैदराबाद का राज्य, गवा का इलाक़ा और दक्षिण में हिन्द महासागर और पूर्व में बंगाले की खाड़ी और पश्चिम में मैसूर और त्राविणकोर का राज्य और अरब का समुद्र है ॥

मंदराज अहाते में २३ ज़िले इस क्रम से हैं।

ज़िले का नाम	ज़िले का पता	ख़ास शहर	नदी जिसके किनारे ख़ास शहर है
गंजाम ..	कटक के दक्षिण में ..	गंजाम	समुद्र के किनारे
बिजगापट्टन	गंजाम के नैऋत में ..	बिजगापट्टन	तथा
राजमहेंद्री ..	बिजगापट्टन के नैऋत में	राजमहेंद्री	गोदावरी
मछलीबंदर ..	राजमहेंद्री के नैऋत में	मछली बंदर	समुद्र के किनारे
गंटूर ..	मछलीबंदर के नैऋत में	गंटूर ..	0
निलौर ..	गंटूर के दक्षिण में ..	निलौर ..	पन्ना
कड़प ..	निलौर के पश्चिम में ..	कडप ..	कड़प
बलारी ..	कड़क के वायव्य में ..	बलारी ..	हुगली
चितौड़ ..	कड़क के दक्षिण में ..	चित्तौड़ ..	0
अर्काट ..	तथा	अर्काट ..	पालारा
चेंगलपट्टू ..	निलौर के दक्षिण में ..	चेंगलपट्टू ..	0
शेलम ..	अर्काट के नैऋत में ..	शेलम ..	0
चिचनापली ..	शेलम के आग्नेय में ..	चिचनापली	कावेरी
तंजावर ..	चिचनापली के पूर्व में ..	तंजावर ..	0
कंबूकोनम ..	तंजावर के पूर्व में ..	नागौर वा नगर	समुद्र के किनारे
मथुरा ..	तंजावर के नैऋत में ..	तहौरी ..	वियागसू
तिरनी-लोवनी	मथुरा के नैऋत में ..	तिरनी लोवनी	0

6384.

ज़िलेकानाम	ज़िले का पता	ख़ास शहर	नदी जिसके किनारे ख़ास शहर है
कोयमतूर..	मथुरा के वायब्य में ..	कोयमतूर	0
मलेवार ..	कोयमतूर ने में ..	कोची ..	समुद्र के किनारे
कल्लीकोट ..	मलेवार के उत्तर में ..	कल्लीकोट ..	तथा
तेलीचरी ..	कल्लीकोट के उत्तर में ..	तेलीचरी ..	समुद्र के किनारे
किनारा ..	तेलीचरी के उत्तर में ..	मंगलूर ..	तथा
हुनोबर ..	किनारे के उत्तर में ..	हुनोवर	0

चेंगलपट्टू के ज़िले में समुद्र के किनारे पर मंदराज शहर जिसको चीनापट्टन भी कहते हैं इस अहाता का ख़ास शहर है मंदराज का क़िला जिसका नाम फ़ोर्टसेंट जार्ज है बहुत मज़बूत बना है। बलारी से वायब्य में तुंगभद्रा नदी के किनारे पर विजयनगर नाम प्राचीन शहर ऊजड़ पड़ा है। अर्काट शहर कर्नाट के सूबे का पुराना ख़ास शहर था और अर्काट से ८५ मील आग्नेय में कड़ालूर बंदर है। तंजावर के इलक़ा को संस्कृत में चोल देश कहते हैं। मदौरा से ६५ मील आग्नेय दिशा में रामेश्वर नाम टापू है जिस में सेतुबंधरामेश्वर महादेव का मंदिर बहुत बड़ा पुराने वक़्त का बना हुआ है इन महादेव जी के ऊपर गंगाजल ही चढ़ाया जाता है। तिरुलोचनी से पूर्वी समुद्र के किनारे तूतिकोरिन में डुबकी मारनेवाले सोप से मोती निकालते हैं। कोयमतूर से ४० मील उत्तर और पश्चिम को

नीलगिरि पर्वत पर उत्कमन्द अंगरेज़ों के हवा खाने की जगह है। शेलम से कोयमतूर तक ७ ज़िले द्राविड देश कहलाते हैं। मलेबार को चियाराज और केरल देश भी कहते हैं॥

बम्बई अहाते का बयान

बम्बई के उत्तर में मिट्ठन कोट और दक्षिण में मंदराज अहाता मैसूर का राज्य और पूर्व में हैदराबाद का राज्य इन्दौर, मारवाड़, जेसलमेर के राज्य और पश्चिम में बिलोचिस्तान, कच्छ का राज्य गुजरात अरब का समुद्र। बम्बई अहाते में १५ आईनी ज़िले और एक सिंध की क़िस्मत ग़ैर आईनी हैं॥

ज़िले का नाम	ज़िले का पता	ख़ास शहर	नदी जिसके किनारे ख़ास शहर है
धारवाड़ ..	गवा के पूर्व में ..	धारवाड़वा नसीराबाद	
बेलगांव ..	धारवाड़ के वायव्य में ..	बेलगांव	
कोकन ..	बेलगांव के वायव्य में ..	रत्नागिरि ..	समुद्र के किनारे
थाना ..	कोकन के उत्तर में ..	थाना	
बम्बई ..	सास्टी टापू के दक्षिण में	बम्बई ..	समुद्र के किनरे
पूना ..	थाने के पूर्व में ..	पूना	
सितारा ..	पूना के दक्षिण में ..	सितारा	
शोलापुर ..	सितारे के पूर्व में ..	शोलापुर	

ज़िले का नाम	ज़िले का पता	ख़ास शहर	नदी जिसके किनारे ख़ास शहर है
अहमदनगर	पूना के ईशान में ..	अहमदनगर	०
नासिक ..	अहमदनगर के वायव्य में	नासिक ..	गोदावरी
ख़ानदेश ..	नासिक के उत्तर में ..	धूलिया ..	पूजरानदी
सूरत ..	ख़ान्देश के पश्चिम में ..	सूरत ..	ताप्ती
भरौंच ..	सूरत के उत्तर में ..	भरौंच ..	नर्मदा
खेड़ा ..	भरौंच के उत्तर में ..	खेड़ा ..	०
अहमदाबाद	खेड़े के उत्तर में ..	अहमदाबाद	सामरमती

सिंधु की ग़ैर आईनी क़िस्मत ॥

हैदराबाद ..	जैसलमेर के पश्चिम में	हैदाराबाद ..	सिंधु नदी
किरांची	हिन्दुस्तान की पश्चिमी सीमा पर	किरांची	समुद्र के तट पर
शिकारपुर	हैदराबाद के उत्तर में	शिकारपुर ..	०

थोड़े दिन से पूना शहर इस अहाते का ख़ास शहर है पहिले इस में बम्बई शहर था। बम्बई का ज़िला एक टापू है जिस में बम्बई शहर बस्ता है और इसके उत्तर में सास्टीनाम टापू है पर दोनों के बीच में एक बन्ध बंधा हुआ है इस सबब से दोनों टापू एक हो गये हैं। बम्बई का क़िला बहुत मज़बूत बना है बम्बई के ज़िला से ७ मील पर और कोकन के किनारे से ५ मील पर गोरापुरी नाम टापू है जिसको अंगरेज़ एलीफ़ेंटा आयल कहते हैं। गवा के दक्षिण में सदाशिव गढ़ एक नया बंदर मुक़र्रर हुआ है यहां जहाज़

का असबाब उतरता है और यहां से रेल की राह मंदराज को जाती है। सितारे से पश्चिम को पंडरपुर हिन्दुओं का तीर्थ स्थान है। बादशाही वक़्त में ख़ान्देश और कई ज़िलों को मिलाकर एक सूबा था। धारवाड़ से सूरत तक के १२ ज़िलों को शास्त्र में महाराष्ट्र देश याने मरहटों का देश लिखा है। अहमदाबाद बादशाही वक़्त में गुजरात के सूबा का ख़ास शहर था। सिंधु की क़िस्मत का मुख़तसर बयान इस तौर पर है। यह देश सिंधु नदी के दोनों ओर दाऊदपुत्रा के राज्य तक चला गया है यह देश पहले एक अमीर के अधिकार में था अब अंगरेज़ों के अधिकार में है इस देश याने सिंधु की क़िस्मत का ख़ास शहर हैदराबाद है हैदराबाद के उत्तर २०० मील पर सिंधु नदी के एक टापू में भक्कर का क़िला है और क़िले के दोनों ओर सिंधु नदी के दोनों किनारे पर रोड़ी और शक्कर दो शहर बस्ते हैं। शिकारपुर बड़े व्योपार की जगह है और इन शहरों के सिवाय सिंधु देश में ख़ैरपुर, अमरकोट, ठट्टा बड़े शहर हैं और अमरकोट में अकबर बादशाह पैदा हुआ था॥

हिन्दुस्तानी राज्यों का बयान

हिन्दुस्तान के जितने हिस्से में अंगरेज़ों का राज्य है याने जिसका रुपया अंगरेज़ी ख़ज़ाने में आता है और जहां दीवानी और फ़ौजदारी कचहरी सरकार की तरफ़ से होती हैं उस हिस्से का बयान तो हो चुका अब बाक़ी हिन्दुस्तानियों के अधिकार में है॥

हिन्दुस्तान में सब ६३ राज्य हैं जिन में से ११ तो हिन्दुस्तान के उत्तर में और ४६ मध्य हिन्द में और ६

दक्षिण याने नर्मदा नदी के दक्षिण में जैसा कि हर एक राज्य का बयान नीचे लिखे हुए नक़्शे से मालूम होगा॥

उत्तरीय हिन्दुस्तान के राज्यों का बयान

राज्य का नाम	राज्य का पता	ख़ास शहर	बरसौढ़ी कर
भुटंट ..	आसाम की क़िस्मत के उत्तर में ..	तशीशूदन	
शिकम ..	भुटंट के पश्चिम में ..	शिकम	
नैपाल ..	अवध के उत्तर में ..	काठमांडू	३२०००००
गढ़वाल	गंगा और यमुना के बीच में ..	टेहरी	१०००००
समौर	ये तीनों पहाड़ी राज्य सतलज और यमुना के बीच में हैं	पाहिन	१०००००
कोहलूर		बिलासपुर	१०००००
बिसाहर		रामपुर	१०००००
सुकेत	ये तीनों राज्य कश्मीर से आग्नेय दिशा में सतलज और चिनाब के बीच में हैं	सुकेत	८००००
मंडी		मंडी	३५००००
चम्बा		चम्बा	१०००००
कश्मीर	रावी और सिंध के बीच में	जम्मू	२५०००००

मध्य हिन्द के राज्य

राज्य का नाम	राज्य का पता	ख़ास शहर	बरसौढ़ी कर
बघेलखंड	मिर्ज़ापुर के दक्षिण में	रीवां ..	२000000
अर्छा		टेहरी	७00000
दतिया		दतिया	१000000
चारखारी	अर्छा से बिजावर तक	चारखारी	४00000
चचपुर	८ राज्य बुंदेलखंड में	चचपुर	३00000
अजयगढ़	गिने जाते हैं और बघे-	अजयगढ़	३२५000
पन्ना	लखंड के राज्य के	पन्ना	४0000
समथर	पश्चिम में हैं ॥	समथर	४५0000
बिजावर		बिजावर	३२५000
ग्वालियर वा सेंधिया का राज्य	बुंदेलखंड और भूपाल के पश्चिम है	ग्वालियर ..	८७00000
भूपाल	उत्तरदक्षिण पश्चिम मेंग्वालियरका राज्य	भूपाल ..	२२00000
इंदौर वा हुलकर का राज्य	ग्वालियर के पश्चिम और दक्षिण में ..	इंदौर ..	२२00000
धार ..	ग्वालियर के राज्य से घिरा हुआ	धारा नगर	४७५000
देवास	तथा	देवास	४00000

राज्यका नाम	राज्य का पता	ख़ास शहर	बरसौढ़ी कर
बरौदह वा गायक्रवाड़ का राज्य	ग्वालियर और इंदौर के राज्य के पश्चिम में	बरौदह ..	७००००००
कच्छ	बरौदह के राज्य के वायव्य में ..	भोज ..	८०००००
सिरोही ..	बरौदह के राज्यके पूर्व में	सिरोही ..	१०००००
उदयपुर वा मेवाड़ ..	सिरोही और जोधपुर के राज्य के पूर्व में	उदयपुर ..	१२५००००
डूंगरपुर ..		डूंगरपुर ..	आमदनी
प्रतापगढ़ ..		प्रतापगढ़ ..	तीनों की
बांसबाड़ा ..		बांसबाड़ा ..	२०००००
बूंदी ..	उदयपुर के पूर्व में ..	बूंदी ..	१००००००
कोटा ..	बूंदी के दक्षिण में ..	कोटा ..	३५०००००
टोंक ..	बूंदी के उत्तर में ..	टोंक ..	१००००००
जैपुर वा ढूंढार	अलवर और बीकानेर के दक्षिण में ..	जैपुर ..	८५०००००
करौली ..	जैपुर के दक्षिण और पूर्व में	करौली ..	५०००००
धौलपुर ..	करौली के पूर्व में ..	धौलपुर ..	७०००००
भरतपुर ..	धौलपुर के उत्तर में ..	भरतपुर ..	२००००००
अलवर वा माचेरी	जैपुर के पूर्व में ..	अलवर ..	१८०००००
किशनगढ़ ..	जैपुर के उत्तर में ..	किशनगढ़ ..	३०००००

राज्य का नाम	राज्य का पता	ख़ास शहर	बरसौढ़ी कर
जोधपुर वा मारवाड़	ग्वालियर और जैसलमेर के पूर्व में	जोधपुर ..	१०00000
बीकानेर	जोधपुर और जैपुर के उत्तर में	बीकानेर ..	६५0000
जैसलमेर ..	बीकानेर के पश्चिम में	जैसलमेर ..	१00000
दाऊद पुत्रा	जैसलमेर और बीकानेर के उत्तर में	भावलपुर ..	१५00000
पटियाला ..	यह ६ राज्य दाऊद पुत्रा के पूर्व और बीकानेर के राज्य के उत्तर और पूर्व में हैं और अजमेर के फ़ीरोज़पुर के आधीन हैं	पटियाला ..	२000000
नाभा ..		नाभा ..	३00000
जींद ..		जींद ..	३00000
मालियर कोटला		मालियर कोटला	३00000
फ़रीदकोट		फ़रीदकोट	इसकी आमदनी कोट से कम है परंतु निश्चय नहीं
ममदूड़ ..		ममदूड़ ..	
बुढ़िया ..		बुढ़िया ..	
छजरौली ..		छजरौली ..	
रायकोट ..		रायकोट ..	
कपूरथला ..	सतलज और व्यास के बीच	कपूरथला ..	२00000
रामपुर	बरेली और मुरादाबाद के बीच में	रामपुर ..	१000000
मनीपुर ..	ब्रह्मपुत्र के पार हिन्द की पूर्वी सीमा पर	मनीपुर ..	१00000

नर्मदा के दक्षिणीय राज्य

राज्य का नाम	राज्य का पता	ख़ास शहर	बरसौढ़ी कर
हैदराबाद..	मध्य हिन्द के दक्षिण में	हैदराबाद	१५00000
मैसूर ..	हैदराबाद के दक्षिण में	मैसूर	८00000
कोची	मैसूर के दक्षिण समुद्र के किनारे	कोची	५00000
त्रावणकोर..	कोची के दक्षिण में	त्रीविंद्रम	४000000
कोलापुर ..	हैदराबाद के पश्चिम में	कोलापुर	१५00000
सावंतबाड़ी	कोलापुर के दक्षिण और पश्चिम में	बाड़ी	२00000

शिकम के दक्षिण में दार्ज़ीलिंग अंगरेज़ों के हवा खाने की जगह है। नैपाल के राज्य में मशहूर शहर गोरखा खाची, देयाल हैं। कश्मीर के राज्य में लद्दाख़ देश जो हिन्दुस्तान की हद्द से बाहर और तिब्बत देश का एक हिस्सा मिला हुआ है इस सबब बरसौढ़ी कर कश्मीर का एक किरोड़ रुपया है। ग्वालियर के राज्य में उज्जैन बुरहानपुर भेलसे की छावनी है। इन्दौर शहर के पास मऊ की छावनी है। बरौदह के राज्य में बहुतसा हिस्सा गुजरात देश का मिला हुआ है इस राज्य की पश्चिमी हद्द पर द्वारिका का टापू है जिसको जगत भी कहते हैं और पश्चिम और दक्षिण की ओर जूनागढ़ के नव्वाब की जागीर में पट्टन शहर है जिस

में सोमनाथ का मंदिर है। कच्छ के पश्चिमी हिस्से का नाम कच्छ और उत्तरीय हिस्से को रनकच्छ कहते हैं जो झील और दलदल से भरा हुआ है। सिरोही से जैसलमेर तक १७ राज्य राजपूताने में गिने जाते हैं और अजमेर के रज़ीडेंट के आधीन हैं। सिरोही से २८ मील दक्षिण और पश्चिम को आबू का पहाड़ है जिसको संस्कृत में अरबुद पर्वत कहते हैं इस पहाड़ पर आसपास के अंगरेज़ गरमी में हवा खाने जाते हैं। उदयपुर का राणा सारे हिन्दुस्तान के राजाओं से बड़ा गिना जाता है उदयपुर से पूर्व को चितौड़ गढ़ है। बूंदी में मंदिर बहुतायत से हैं। कोटे से ५० मील दक्षिण को झालरापाटन शहर है। जैपुर के दक्षिण और पूर्व में रणथम्भौर का क़िला है। भरतपुर से ८ मील पर डीग शहर है। अलवर के दक्षिण में मानचेरी शहर है। जोधपुर के राज्य में नागपुर के बैल मशहूर हैं। बीकानेर के राज्य में मशहूर शहर भटनेर है दाऊदपुत्रा के राज्य में मशहूर शहर ब्रावल मबूलपुर है। पटियाले के नज़दीक सरहिन्द पुराना शहर और आग्नेय दिशा में बिटंडे का क़िला है। हैदराबाद के राज्य में औरंगाबाद, दौलताबाद, बिदर, नांदेर मशहूर शहर हैं। हैदराबाद के नज़दीक गोलकुंडे का क़िला है हैदराबाद से ३ मील उत्तर को सिकन्दराबाद में अंगरेज़ी फ़ौज की बहुत बड़ी छावनी है इस राज्य के मालिक निज़ामुलमुल्क ने अपने राज्य का उत्तरीय हिस्से बरार का इलाक़ा फ़ौज के ख़र्च के बदले में सरकार को सौंप दिया है। मैसूर के राज्य में श्रीरंगपट्टन जो टीपूसुल्तान के वक़्त में मैसूर की राजधानी था और बंगलोर, चक्रबालापुर मशहूर शहर हैं॥

और मुल्क के बादशाहों का राज्य

छिपा न रहे कि अंगरेज़ी और हिन्दुस्तानी राज्यों को छोड़ जिनका बयान हो चुका कुछ थोड़ीसी ज़मीन हिन्दुस्तान की फ़रांसीस, डेन्मार्क, पुर्त्तगाल, डच के बादशाहों के भी अधिकार में है अर्थात् फ़रांसीसों के अधिकार में पांडेचेरी, कारीकाल, चंद्रनगर का इलाक़ा है। पांडेचेरी शहर कावेरी नदी के मुहाने पर समुद्र के किनारे है कारीकाल तंजावर के पूर्व उत्तर को झुका हुआ समुद्र के किनारे पर है और चन्द्रनगर कलकत्ते से २० मील उत्तर को गंगा के बाएं किनारे पर है इन तीनों इलाक़ों से ३ लाख ८० हज़ार रुपये के क़रीब सालियाना आमदनी है और गवर्नर फ़रांसीसों का पांडेचेरी में रहता है। डेन्मार्क के बादशाह के अधिकार में तिरकमबाड़ी का इलाक़ा है और तिरकमबाड़ी शहर कारीकाल से ६ मील उत्तर को समुद्र के किनारे है पुर्त्तगाल के बादशाह के अधिकार में गवा का इलाक़ा है और यह इलाक़ा सावंतबाड़ी के दक्षिण और कानड़े के उत्तर को पश्चिमी घाट और समुद्र के बीच में है। इस इलाक़े की आमदनी ६ लाख रुपया साल है पुराना शहर इसका गवा था पर अब पुर्त्तगेज़ों का गवर्नर गवा से ५ मील पश्चिम समुद्र के किनारे पर पंचम नगर में रहता है और यही इस इलाक़े का राज्यस्थान हो गया है। डच के बादशाह के अधिकार में श्रीरामपुर है जो कलकत्ते के उत्तर में है। यद्यपि हिन्दुस्तान दो तिहाई के लगभग अर्थात् सात लाख मील वर्गात्मक के क़रीब हिन्दुस्तानियों के अधिकार में है परंतु बस्ती और फ़ायदे में अंगरेज़ी देश के आधे की बराबरी भी नहीं कर सक्ता। देखो जैसे अंगरेज़ी राज्य में ६ किरोड़ मनुष्य बस्ते हैं और हिन्दु-

स्तानी राज्य में सब ५ किरोड़ मनुष्य हैं और अंगरेज़ी सरकार में बसौढ़ो लब्धि ३० किरोड़ रुपया आता है और हिन्दुस्तानी राज्य में सब मिला कर ११ किरोड़ रुपया भी नहीं आता निदान यह नियत और प्रबंध का फल है ॥

गंगा के किनारे पर हरिद्वार, कनखल, गढ़मुक्तेश्वर, अनूपशहर, फ़र्रुख़ाबाद, क़नौज, कान्हपुर, इलाहाबाद, मिर्ज़ापुर, चिनार, बनारस, ग़ाज़ीपुर, दानापुर, मुंगेर, भागलपुर, राजमहल, मुर्शिदाबाद, जाफ़रगंज ये प्रसिद्ध नगर हैं यमुना के किनारे पर पानीपत, देहली, मथुरा, आगरा, बटेश्वर, काल्पी, इलाहाबाद ये शहर हैं ॥

खानि हिन्दुस्तान में जिस २ वस्तु की खानि हैं वे नीचे लिखे हुए से मालूम होंगी ॥

खानि का नाम	राज्यों वा ज़िलों का नाम जिस में खानि हैं
लोहा ..	सिलहट, कचार, बीरभूम, आसाम, सम्भलपुर, नागपुर, कच्छ, मनीपुर, मैसूर, उदयपुर, ग्वालियर
सीसा ..	अजमेर, जोधपुर, गंतूर, छोटानागपुर
कोयला ..	जब्बलपुर, सिलहट, बीरभूम, हुगली, बलेश्वर, बांगड़ा, आसाम, छोटानागपुर, बाजगुज़ार, मुहाल
भोड़ल ..	बिहार, बाजगुज़ार, मुहाल, छोटानागपुर
सुर्मा ..	सम्भलपुर, कश्मीर
स्फटिक ..	बिहार
फिटकिरी ..	शाहाबाद, कच्छ, जैपुर

खानि का नाम	राज्यों वा ज़िलों का नाम जिस में खानि हैं
पेवड़ी ..	बाजगुज़ार, मुहाल
खड़िया ..	बाजगुज़ार, मुहाल
गेरू ..	बिहार
सेंधालूण ..	पिण्डदादनख़ां
जस्त ..	उदयपुर
अक़ीक़ ..	बरौदह, बिहार
हीरा ..	गोलकुण्डा, शाहाबाद, सम्भलपुर, पन्ना, गंतूर
गंधक ..	छोटानागपुर, नैपाल
संगमर्मर ..	जोधपुर
हर्ताल ..	नैपाल
सेंदुर ..	नैपाल

आसाम की क़िस्मत और मलेवार के इलाक़े की नदियों की रेत धोने से सोना निकलता है ॥

हिन्दुस्तान के अन्नों में से चांवल बंगाले में अच्छा अन्न होता है और गेहूं पंजाब पश्चिमोत्तरदेश, मालवे में और बाजरा राजपूताने में । अन्न को छोड़ अकसर जगहों में तमाकू और आलू भी बहुतायत से पैदा होते हैं ॥

हिन्दुस्तान में रुई, नील, अफ़ीयून, खांड़, चावल, केसर, पश्मीना तिजारत की चीज़ें हैं जिन में से अफ़ीयून मालवे में और नील, चांवल बंगाले में और केसर, पश्मीना कश्मीर में और रुई पश्चिमोत्तर सूबे

में पैदा होती है और इनको छोड़कर हींग पेशावर और मुलतान में और बेदमुष्क कश्मीर में पैदा होता है और नारियल, पुंगीफल, जायफल, कालीमिर्चे, इलाइची, दारचीनी, धूप ये चीज़ें दक्षिण में पैदा होती हैं। सागूदानह मलियागिर पर और कपूर मनीपुर में और गूगल सिंधु में और लोबान चावणकोर में और चा कांगड़े और देहरादून में पैदा होती है॥

ऋतु हिन्दुस्तान में तीन ऋतु होती हैं ग्रीष्म, बर्षा, शरद पर उत्तरीय और पश्चिमीय भाग में शरद ऋतु में सरदी ज़ियादे होती है और बाक़ी हिन्दुस्तान में पहाड़ों को छोड़ कहीं सरदी का नाम भी नहीं है॥

ज़मीन हिन्दुस्तान की ज़मीन बड़ी उपजाऊ है यहां एक बर्ष मे दो बार कहीं तीन बार खेती काटते हैं बहुधा स्थानों में खेती केवल बर्षा ही पर होती है॥

ऐसी कोई बस्तु होगी जो हिन्दुस्तान में न होती होगी॥

स्वभाव हिन्दुस्तान के आदमी दिलेर और रहम दिल होते हैं पर गरम देश के सबब अकसर काहिल और आराम-तलब होते हैं और आपस में मेल नहीं रखते और अपना यश बढ़ाने के लिये तालाब पुल कुआ शिवाला वग़ैरः बहुत बनाते हैं और बाछ डाल कर कोई काम करना नहीं चाहते और अपना रुपया बिवाह और मरने में बहुत ख़र्च करते हैं॥

हिन्दुस्तानियों के मत शैव, शाक्त, वैष्णव, वेदांत, मत जैन हैं पर इनके गण हज़ारों हो गये हैं। इनके सिवाय इस देश में आठवें हिस्से से ज्यादे मुसलमान और हज़ारों ही ईसाई हैं॥

लंका का बयान

यह टापू हिन्दुस्तान के दक्षिण हिन्द महासागर में है। लम्बाई २७०० मील और चौड़ाई २४५ मील है और परिधि इसकी ७५० मील है। मशहूर नदी महावली गंगा। ख़ास शहर कोलंब, कांडी, बंदरगाल, रत्नपुर, जाफ़नापाटम, तिरकोमली हैं जिन में से कोलंब राजधानी है। मशहूर पहाड़ हिमालय है जिसकी एक चोटी ७½ हज़ार फ़ुट ऊंची है और इस चोटी को अंगरेज़ लोग कुल्ल आदम कहते हैं यहां एक चटान पर मनुष्य के पैर का निशान बना हुआ है जिसको वहां के लोग बुध के पैर का निशान बतलाते हैं और मुसलमान उस निशान को आदम का पैर कहते हैं और कहते हैं कि आदम इसी जगह पर आसमान से गिरे थे। यहां बुन, दारचीनी, इलाइची, कालीमिर्च, फिटकरी ये चीज़ें बहुतायत से पैदा होती हैं। हवा पानी बहुत अच्छा और ऋतु बसंत है। यहां के लोग बुध के मत पर चलते हैं। यह वही लंका है जिसको श्रीरामचन्द्रजी ने रावण को परास्त करके जीता था अब वहां अंगरेज़ों का अधिकार है॥

भूगोल संकेत

भूगोलविद्या पृथ्वी पर के पानी और ज़मीन के बयान को कहते हैं॥

(महाद्वीप) एक बहुत बड़ा हिस्सा ज़मीन का है जिसके चारों तरफ़ समुद्र हो और उस में बहुत देश हों जैसे अमेरिका ॥

(द्वीप) ज़मीन के उस हिस्से को कहते हैं जिसके चारों तरफ़ समुद्र हो जैसे लंका ॥

(द्वीपसमूह) द्वीपों के समूह को कहते हैं जो नज़दीक २ समुद्र में हों जैसे हिन द्वीप समूह हिन्दुस्तान के दक्षिण में हैं ॥

(प्रायद्वीप) ज़मीन के उस हिस्से को कहते हैं जो तीन तरफ़ समुद्र से मिला हो और एक तरफ़ देश या महाद्वीप से मिला हो जैसे कोरिया और आफ़्रिका ॥

(डमरुमध्य) ज़मीन के ऐसे तंग हिस्से को कहते हैं जो किसी प्रायद्वीप को महाद्वीप से मिलावे वा ज़मीन के किसी हिस्से को दूसरे हिस्से में मिलावे जैसे स्वीज का डमरुमध्य जो आफ़्रिका को एशिया से मिलाता है पर इस में अब एक नहर बन गयी है जिसके सबब से आफ़्रिका एक बड़े द्वीप की तरह होगया है। और पानामा उत्तरीय अमेरिका को दक्षिणीय अमेरिका से मिलाता है और कराह मलाया को स्याम से ॥

(अंतरीप) ज़मीन के उस कोण के छोर को कहते हैं जो गावदुम समुद्र में चला गया हो जैसे अंतरीप कुमारी हिन्दुस्तान के दक्षिण में ॥

(पर्वत) ऊंचे २ पत्थरों के टीलों को कहते हैं जो अकसर बर्फ़ से ढके रहते हैं और उन से छोटी पहाड़ियां कहलाती हैं जैसे हिमालय पर्वत और राजमहल की पहाड़ी ॥

(क़िस्मत) उस हिस्से को कहते हैं जिस में एक कमिश्नर का अधिकार हो और वह अकसर बोली जाती है उस शहर के नाम से जहां साहिब कमिश्नर रहते हैं ॥

(ज़िला) उस इलाक़े का नाम है जिस में एक कलेक्टर वा डिपुटी कमिश्नर का अधिकार हो और वह बोला जाता है अकसर उस शहर के नाम से जहां साहिब कलेक्टर वा डिपुटी कमिश्नर रहते हैं ॥

आईनी क़िस्मत वा ज़िला उसको कहते हैं जिस में दीवानी कचहरियां जैसे जजी सदर अमीनी वगैरः लेने देने के झगड़े निबटाने के लिये मुकर्रर हों और ग़ैर आईनी ज़िलों में ये कचहरियां नहीं होती वहां ज़िले के साहिब वा तहसीलदार लेन देन के झगड़े निबटाया करते हैं ॥

(महासागर) जल के सब से बड़े हिस्से को कहते हैं जैसे पासिफ़िक महासगर ॥

(सागर) जल के हिस्से को कहते हैं जो महासागर से छोटा और अकसर ज़मीन से घिरा हो जैसे रूस का सागर और कुलज़म सागर ॥

(खाड़ी) समुद्र के उस हिस्से को कहते हैं जो ज़मीन में दूर तक चला गया हो जैसे बंगाले की खाड़ी ॥

(झील वा ताल) जल के उस हिस्से को कहते हैं जो चारों तरफ़ ज़मीन से घिरा हो और जिन झीलों का पानी खारी है उनको अकसर सागर कहते हैं जैसे कास्पियन सागर ॥

(मुहाना) जल के कम चौड़े हिस्से को कहते हैं जो दो महासागरों वा सागरों को मिलाता है जैसे पाक मुहाना जो दक्षिणीय हिन्दुस्तान और लंका के मध्य है ॥

(द्वीपसमूह सागर) उस सागर को कहते हैं जिस में बहुत से द्वीप हों ॥

(बंदरस्थान) समुद्र की उस जगह को कहते हैं जहां जहाज़ आकर ठहरते हैं ॥

(नदी) पानी की दैवीधार को कहते हैं जो किसी पहाड़ से निकलकर ज़मीन पर बहते २ किसी महासागर वा सागर से जा मिले जैसे गंगा। जो धार पानी की किसी नदी से निकली हो उसको नदी की शाखा कहते हैं और जो नदी किसी और नदी में आकर मिले वह उसकी आधीन कहलाती है ॥

(नहर) पानी की कृत्रिम धार को कहते हैं जो किसी नदी या झील वगैरः से काट कर दूसरी जगह को ले जावें जैसे गंगा की नहर। जो नदी के बहने की तरफ़ मुह करके खड़े हों तो अपने दहने तरफ़ के किनारे को दाहना किनारा और बाईं तरफ़ के किनारे को बायां किनारा नदी का कहते हैं ॥

(सोता) उस जगह को कहते हैं जहां से नदी निकलती है ॥

(मुहरी) उस जगह को कहते हैं जहां नदी गिरती है ॥

अलमिति प्रथम भागः ॥

इश्तिहार

(प्रगट) हो कि क़ानून २० सन् १८४७ ई० के अनुसार इस जगद्भूगोल को कोई दूसरा मनुष्य इस पुस्तक के कर्त्ता ईश्वरी-प्रसाद की आज्ञा बिना नहीं छाप सक्ता ॥

आशय	..	पृष्ठ
पश्चिमोत्तर देश का वर्णन	..	१
भरतखण्ड का वर्णन	..	८
बंगाले की गवर्नमेंटी का वर्णन	..	१४
पंजाब की गवर्नमेंटी का वर्णन	..	१८
अवध की चीफ़ कमिश्नरी का वर्णन	..	१९
मध्य हिन्द की चीफ़ कमिश्नरी का वर्णन	..	२०
मंदराज अहाते का वर्णन	..	२१
बम्बई अहाते का वर्णन	..	२४
हिन्दुस्तानी राज्यों का वर्णन	..	२६
अन्यदेश के राजाओं के राज्य का वर्णन	..	३३
लंका का वर्णन	..	३७
भूगोल संकेत	..	३७

(प्रगट) हो कि यह जगद्भूगोल उस जग़राफ़ियह आल[illegible] के पहिले भाग का उल्था है जिसको पश्चिमोत्तर देश [illegible] डैरेक्टर आफ़ पबलिक इन्स्ट्रक्शन बहादुर ने सरिश्त[illegible] तालीम में जारी फ़रमाया है ॥